

2648. R. 1, 60, 26. 3, 13, 8. स्थिरा मया प्रतिज्ञाता प्रतिज्ञा 2, 109, 25. प्रतिज्ञाते च रामेण तदा बालिबधं प्रति 1, 1, 81. प्रतिज्ञसे च राश्याय *er sagte ihm die Herrschaft zu* MBh. 1, 7234. प्रतिज्ञानीघ तं कर्तुम् *Aró. 5, 8.* अर्जुनः प्रतिज्ञानीति — कर्णाम् — कृत्वास्मि MBh. 2, 2546. HARIV. 7244. प्रत्यज्ञास्त BHATT. 8, 26. प्रतिज्ञाते हि नस्तथा MBh. 4, 153. यदन्यस्य प्रतिज्ञाय पुनरन्यस्य दीयते (कन्या) M. 9, 99. एवं मे प्रतिज्ञानीहि MBh. 4, 706. R. 1, 21, 14. 38, 12. 2, 23, 29. प्रतिज्ञानामि ते वीर सत्येनायुधमालम् । यथा रामे रणे पापं पातयिष्यामि 3, 33, 3. 26. तेभ्यः प्रतिज्ञाय नलः करिष्ये इति MBh. 3, 2135. सकृन्नाते प्रतिज्ञाय R. 1, 75, 7. न प्रतिज्ञानीमो नास्तिको ज्ञायते जनः *wenn wir nicht zusagen, einwilligen, dann 65, 13.* मामेवैष्यसि सत्यं ते प्रतिज्ञाने *ich sage es dir zu, verspreche es dir* BHAG. 18, 65. प्रतिज्ञानामि ते सत्यं न ब्रवीन्प्रतियास्यति R. 6, 12, 13. सत्यं मे प्रतिज्ञानीहि MBh. 5, 7491. प्रतिज्ञात = अङ्गीकृत u. s. w. AK. 3, 2, 58. H. 1488. — 3) *bestätigen, bejahen, antworten, med.* ÇAT. Br. 2, 5, 2, 20. *ĀCV. GRHJ. 1, 23.* तं ह्यभ्युवाद वं नु भगवः सयुवा रैवा इत्यहं ह्यरा इति ह प्रतिज्ञसे *ĀBHĀND. UP. 4, 1, 8.* को नु बानुशशासित्यन्ये मनुष्येभ्य इति ह प्रतिज्ञसे 9, 2. किं पिबसीति पृष्ठा पुंसवनं पुंसवनमिति त्रिः प्रतिज्ञानीयात् *ĀCV. GRHJ. 1, 13.* तथेति प्रतिज्ञाय *an einigen Stellen bestätigen, an andern zusagen, sich einverstanden erklären* MBh. 1, 7700. HARIV. 13294. 15532. R. 2, 90, 9. 112, 26. PAÑĀT. 54, 25. 226, 7. तथेति प्रतिज्ञाय सावित्र्या वचनम् *SĀV. 1, 16.* अनामयं प्रतिज्ञाने तवाहम् *ich bestätige dir mein Wohlsein so v. a. ja, ich bin wohl* MBh. 5, 690. तत एकेन वृद्धप्रगालेन प्रतिज्ञातम् मया — एतन्मरणं कर्तव्यम् *HIT. 40, 19.* — 4) *behaupten, aussagen, statuieren, annehmen:* के पूयं पुष्यवत्तश्च — विश्वतः क्षात्रमोक्षश्च ब्राह्मण्यं प्रतिज्ञानय *wie könnt ihr behaupten, dass ihr Brahmanen seid?* MBh. 2, 842. इत्येतत्प्रतिज्ञानामि 4, 37. तां प्रतिज्ञा प्रतिज्ञाय पुरा R. 6, 85, 8. कुशलाः प्रतिज्ञानां ये वै तद्विदेा ज्ञानाः MBh. 3, 1236. प्रतिज्ञातार्थं *Behauptung* *JĀGĀ. 2, 7.* इत्यादीणां येषां अनुनासिकत्वं न प्रतिज्ञायते *statuirt —, angenommen werden* Sch. zu P. 7, 1, 1. *SIDDH. K. zu P. 3, 1, 11.* इह शास्त्रे कार्यार्थमकारो विवृतः प्रतिज्ञातः *Sch. zu P. 8, 4, 68. Ind. St. 4, 139. 152. 206.* — 5) *Etwas zur Sprache bringen:* तत्परीतो प्रतिज्ञानीति *Sch. zu ĀGĀM. 1, 1, 3.* प्रथमं तावत्सत्कार्यं प्रतिज्ञानीति *Sch. bei WILS. SĀMĀHJAK. S. 31.* शब्दं नित्यमातिष्ठते नित्यत्वेन प्रतिज्ञानीति *इत्यर्थः P. 1, 3, 22, VĀRTL. Sch. — 6) erkennen, erfahren, gewahrwerden:* द्रोणां च प्रत्यज्ञानत (nach der Beschreibung) MBh. 1, 5170. दिशो न प्रतिज्ञानामि 2089. प्रतिज्ञानीहि येन मोक्षमवाप्स्यसि 13, 4839. प्रतिज्ञानीहि न मे भक्तः प्रणश्यति BHAG. 9, 31. न नुत्पिपासे कालं वा प्रत्यज्ञानं तदा HARIV. 1036. — 7) *mit Wehmuth zurückdenken an;* nur in dieser Bed. wird P. 1, 3, 46. Vop. 23, 37 das act. anerkannt. Wir haben für diese Bed. nur eine Belegstelle und zwar für med.: न चातीतानि शोचन्ति न चैव प्रतिज्ञानते MBh. 12, 8438. — Vgl. प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञान. — *caus.* प्रतिज्ञापित ÇĀK. 12, 42, v. 1. für प्रतिज्ञापित *verrathen.*

— संप्रति *zusagen:* तया वै संप्रतिज्ञाते सिन्धुराजबधे MBh. 7, 2652. यथा चः संप्रतिज्ञातम् 5, 5416. तथेति संप्रतिज्ञाय (auf die Aufforderung तथा कुरु) 3, 19 12.

— वि 1) *erkennen, verstehen; unterscheiden; wahrnehmen, merken:* तयैरहं न वि ज्ञानामि यत्रा परस्तात् AV. 10, 7, 43. वि ज्ञानीकार्यान्व्ये च दस्यवः RV. 1, 51, 8. 164, 37. ज्योतिर्वृषीत् तमसो विज्ञानम् 3, 39, 7. 4,

III. Theil.

51, 6. 5, 61, 7. वाचिवात्रस्य रसें विज्ञानाति ÇAT. Br. 8, 5, 4. 1. 12, 9, 4, 14. यो नाग्नीयादनुके विज्ञानम् AV. 4, 11, 3. दक्षिणां वर्म कृणुते विज्ञानम् RV. 10, 107, 7. AV. 12, 5, 17. 10, 8, 5. रूपो डुरो व्युत्तज्ञा अज्ञानम् RV. 1, 72, 8. दीर्घश्रुतो वि हि ज्ञानन्ति वक्ष्यः 10, 114, 2. न तसुमेधां विज्ञानीमः ÇAT. Br. 11, 5, 5, 13. 14, 5, 4, 16. आत्मानं चेद्विज्ञानीयादयमस्मीति पुरुषः 7, 3, 16. अपि पृष्ठत उपमृष्टे मनसा विज्ञानाति 4, 3, 9. यत्किं च विज्ञाते वाचस्तदूयं वाग्धि विज्ञाता 15. 8, 2, 2. उभौ तौ न विज्ञानीतः *beide haben nicht die richtige Erkenntniss* *КАТНОР. 2, 19.* अविज्ञातं विज्ञानतां विज्ञातमाविज्ञानताम् *КЕНОР. 11.* एवं धर्मं विज्ञानीमः *so verstehen wir das Gesetz* M. 9, 46. कथमेतद्विज्ञानीयाम् *wie soll ich dieses verstehen, auffassen?* BHAG. 4, 4. ब्राह्मणस्य विज्ञानतः *verständnis 2, 46. M. 5, 121. 6, 84 (Gegens. अज्ञ).* 8, 276. अविज्ञानन् 3, 37. यथा यथा हि पुरुषः शास्त्रं समधिगच्छति । तथा तथा विज्ञानाति *an Erkenntniss zunehmen 4, 20. kennen, verstehen, vertraut sein mit, wissen:* गुणदेषो विज्ञानता 2, 212. कार्यं विज्ञानता 3, 80. त्वयं वृद्धि च बाणिज्ञा पयानामविज्ञानता *JĀGĀ. 2, 258. MBh. 1, 5678.* वियोगिज्ञानो च विज्ञानते (3. sg.) हतम् 13, 5204. वयं सर्वे विज्ञानीमो पुत्रराज वलं तव R. 5, 1, 63. VET. 27, 2. (यस्य) न विज्ञायते वा पिता M. 3, 11. विज्ञातं *bekannt* AK. 3, 1, 9. TRIK. 3, 1, 1. M. 8, 161. 10, 50. मनसा प्रबुधभावेन संसर्गा च — यद्यहं ते न विज्ञाता R. 6, 101, 12. अविज्ञातं *unbekannt* M. 4, 129. 10, 57. 11, 87. असंशयं विज्ञानीति यत्र तौ R. 2, 84, 13. तत्र विज्ञायते कीदृगस्य चेष्टितम् *PAÑĀT. 63, 10.* mit einem *infln.:* न सा (सेना) विज्ञानाति रणात्कदाचिद्विनवित्तुम् *weiss nicht, was umkehren heisst* MBh. 9, 2666. विज्ञायते ह *es ist bekannt* ÇAT. Br. 14, 9, 2, 10. Häufig zur Anführung von Citaten aus normativen Büchern oder bei Angabe von Lehrsätzen: *es wird verstanden so v. a. ist unerkannt oder wird gelehrt:* प्राजापत्यो ब्रह्मचारी भवतीति विज्ञायते *ĀCV. GRHJ. 1, 20, 21. 2, 8. 3, 4. 9. NIK. 3, 4, 3. 7, 12.* उत्तरमायेयं दक्षिणां सौम्यं विज्ञायते *ĀCV. GRHJ. 1, 10.* ब्राह्मणवितरा (दक्षिणाः) विज्ञाताः *LĀTJ. 9, 2, 16.* उभाविति शाखायनकं (sc. मतम्) विज्ञायते 1, 2, 24. *erkennen, kennen lernen, ausfindig machen, in Erfahrung bringen:* निप्रमस्मान्विज्ञानीयुः MBh. 4, 153. न वो विज्ञास्यते कश्चित् 3, 17435. विज्ञातो ऽसि मया चिक्षेः HARIV. 9468. R. 3, 19, 17. *MRĀKĀ. 66, 4.* दिशश्च न विज्ञानीमः MBh. 1, 5878. विज्ञाय निशि पन्थानम् 5876. *SĀV. 5, 76.* वाचं वा को विज्ञानाति पुनः संश्रुत्य संश्रुताम् *JĀGĀ. 3, 150.* अन्नं ब्रह्मेति व्यज्ञानत् *TAIT. UP. 3, 2, 1gg.* चेष्टाश्चैव विज्ञानीयात् M. 7, 194. श्रुतशाले च विज्ञाय 11, 22. शनैर्विज्ञातवार्तस्य — राज्ञः *RĀGĀ-TAR. 5, 236.* नैव वाचा व्यवसितं भीम विज्ञायते सताम् MBh. 2, 2543. रोदनकारणं विज्ञाय *VET. 30, 7.* कस्ततुलयापि निपुणाः प्लपारिमाणं विज्ञानन्ति *PAÑĀT. 11, 84.* विज्ञायतां यदेति कञ्चुकिना वदति 45, 24. अयं विज्ञायतां कस्य कुतो वायमरुगतः HARIV. 10205. सूचीमुखं विज्ञानीहि नाशिष्यायोपदिश्यते *lerne S. kennen so v. a. denke daran, wie es ihm ergangen ist, PAÑĀT. 1, 430.* Etwas von Jmd (gen.) *erfahren, lernen:* स्वप्राप्तं मे सोम्य विज्ञानीहि *ĀBHĀND. UP. 6, 8, 1.* तद्वस्य विज्ञाते 7, 6. अथ मे विज्ञास्यसि 4. विज्ञानीहि ममेदम् MBh. 2, 2568. *bemerken, wahrnehmen, innenwerden, vernehmen:* न च ते मूर्खा उलूका विज्ञानन्ति यत् *dass* *PAÑĀT. 194, 43.* अत्यक्रामद्विज्ञातः कालः BHAG. P. 1, 13, 16. विज्ञाय नलशासनम् MBh. 3, 2277. आर्तस्वरं तु विज्ञाय तम् R. 3, 31, 1. पार्थस्य चतुर्हृषयो सक्तं विज्ञाय *dass des P. Auge auf M. hafte* MBh. 3, 1800. *PAÑĀT. 37, 8. 105, 19. RĀGĀ-TAR. 5, 367.* तम् — अभिषङ्गदं विज्ञानिवात् *RAGH. 8, 74.* मुनिवेशं